भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1342** जिसका उत्तर
शुक्रवार, **09 फरवरी**, **2024/20** माघ, 1945 (शक) को दिया जाना है

पत्तन संपर्क में वृद्धि

†1342. श्री. जगदम्बिका पाल :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश के पूर्वी तट पर पत्तनों के कार्य-निष्पादन में संभारतंत्रीय अवरोधों की पहचान की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या पत्तन संपर्क में वृद्धि का उद्देश्य स्थलरुद्ध राज्यों को तटीय राज्यों में पत्तनों से जोड़ना भी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): जी, हां। व्यापक पत्तन संपर्कता योजना (सीपीसीपी), 2022 में डीपीआईआईटी द्वारा पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, रेल मंत्रालय (एमओआर) और सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) और राज्य समुद्री बोर्ड के परामर्श से तैयार की गई थी। सीपीसीपी में 100 से अधिक नई संपर्कता अवसंरचना कमियों की पहचान की गई है, जिनमें से पूर्वी तट पर पत्तनों की संपर्कता को बढ़ाने के लिए 33 सड़क और रेल परियोजनाओं की पहचान की गई है।

(ख): सागरमाला योजना के तहत शुरू की गई परियोजनाएं और सीपीसीपी में जिन परियोजनाओं की पहचान की गई है वह पत्तनों के अंतिम मील और पश्चभूमि से तत्काल संपर्कता पर केंद्रित है। साथ ही, एमओपीएसडब्ल्यू द्वारा 'पत्तनों से औद्योगिक नोड्स की संपर्कता' पर रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसमें भूमिबद्ध राज्यों में औद्योगिक नोड्स सहित एनआईसीडीआईटी के तहत विभिन्न औद्योगिक गलियारों के अंतर्गत सभी मौजूदा और भावी नोड्स की तुलना में समुद्री पत्तनों से संपर्कता का मूल्यांकन और कमियों का विश्लेषण किया गया है।

*****